<u>बुद्धिमान चींटी</u>

एक समय की बात है किसी खण्डहर में चींटियों का एक झुण्ड रहता था। चींटियों का राजा बहुत बुद्धिमान था। एक दिन एक सैनिक चींटी आई और उसने कहा कि महाराज इस खण्डहर में दरवाजे के बीचो–बीच एक नाला बहता है जिसके कारण हम उस पार के स्थान का उपयोग नहीं कर पाते हैं तथा अभी–अभी पता चला है कि उस पार बहुत –सारा भोजन है।

तब राजा ने कहा कि मैं चलकर देखूँगा कि वहाँ कैसे पहुँचा जाए। इसके बाद राजा वहाँ जाकर देखते हैं कि अकेली चींटी का दरवाजे के उस पार जाना वाकई कठिन है। तभी उनके मन में एक योजना आई और उनके कहे अनुसार चींटियों ने एक–दूसरे को पकड़कर एक पूल का निर्माण कर दिया। इसके बाद दूसरी चींटियों ने जाकर उस पार से भोजन लाना शुरू कर दिया।

इस प्रकार इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि "एकता में बल है" तथा "बुद्धि के बल पर मुश्किल काम भी आसान हो जाते हैं।"

अभ्यास कार्य

नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर अनुच्छेद की मदद से लिखिए–

प्र.1 चींटियाँ कहाँ रहती थीं ?

....

प्र. 2 कौन बुद्धिमान था ?

....

प्र. 3 खण्डहर में दरवाजे के बीचो–बीच क्या बहता था ?

....

प्र. 4 कहानी पढ़ कर रिक्त स्थानों की पूर्ति करो–

इस कहानी से हमें यह .... मिलती है कि ".................... में बल है" तथा "......................... के बल पर मुश्किल काम भी आसान हो जाते हैं।

प्र. 5 चींटियों ने किसका निर्माण कर दिया ?

....

प्र. 6 शब्दों को शुद्ध करके लिखो–

खडहर :–..

मुशिकल :– ....

बुधिमान :– ....

रवीन्द्र कुमार वर्मा
पी.आर.टी.
के.वि. अनन्तनाग